महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालय में हुई राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता
लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने में युवाओं की बड़ी भूमिका : प्रो. कुमुद शर्मा
विद्यार्थियों ने क्षमता, प्रतिभा और वक्तृत्व शैली का दिया परिचय

वर्धा, 24 अक्टूबर 2026 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने में युवाओं की बड़ी भूमिका है। युवा ही राष्ट्र के विकास की रीढ़ हैं।

शनिवार, 24 अक्टूबर को 18वीं समूह स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2026 का आयोजन कस्तूरबा सभागार में

कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता ग्रुप VI के शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापुर के समन्वयक प्रो. प्रल्हाद माने एवं अतिथि के रूप में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विद्यापीठ, नागपुर के डॉ. अंबेडकर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. रविशंकर मोर उपस्थित थे।

युवा संसद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 55 विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए अलग-अलग भूमिकाएं निभाई।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** **www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

कुलपति प्रो. शर्मा ने युवा संसद में शामिल विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आपको विकसित भारत बनाने की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए। युवा संसद में विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आपकी विभिन्न मुद्दों पर रखी बेबाक राय एवं तार्किक क्षमता

से मैं अभिभूत हुई हूं। उन्होंने छात्राओं की प्रशंसा में कहा कि प्रतियोगिता में 55 में से 21 छात्राओं की सहभागिता नारी शक्ति वंदन की मूल भावना को दर्शाती है।

इस अवसर डॉ. प्रल्हाद माने एवं प्रो. रविशंकर मोर ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों से जुड़ी समस्याएं उठाकर विद्यार्थियों ने अपनी क्षमता, प्रतिभा और वक्तृत्व शैली का परिचय दिया है। युवा संसद में अनिवार्य मतदान विधेयक पटल पर रखा गया और उस पर गंभीर चर्चा की गई।

विद्यार्थियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छ: विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें प्रथम स्थान लोकसभा अध्यक्ष दिव्या महारनवार को मिला। प्रियांशु कुमार ने द्वितीय स्थान पाया। प्रधानमंत्री की भूमिका में रही जनसंचार विभाग की छात्रा शिया तृतीय स्थान पर रही। चतुर्थ स्थान पर अंकिता थुल, अमन मौर्य और मोनिका को सम्मानित किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह, स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर गौरवान्वित किया गया।

राष्ट्रीय युवा संसद में 55 विद्यार्थियों ने 55 मिनट तक भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को लेकर पुरजोर तरीके से अपने विचार व्यक्त किए। विभिन्न मुद्दों पर चर्चा, शून्य काल, शपथ ग्रहण, शोक प्रस्ताव आदि के साथ संसद की कार्यप्रणाली सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने लोकसभाध्यक्ष, प्रधानमंत्री, लोकसभा के मुख्य सचिव,

नेता प्रतिपक्ष तथा अन्य मंत्री के रूप में भूमिका निभाई।

अतिथियों का स्वागत शॉल, सूतमाला, सम्मान चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ से किया गया।

स्वागत वक्तव्य युवा संसद के संयोजक एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बालाजी चिरडे ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अनुवाद अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मीरा निचळे ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

National Youth Parliament Competition Held at Hindi University
Youth play a major role in strengthening the roots of democracy: Prof. Kumud Sharma
Students showcase their abilities, talent and oratory skills

Wardha, October 24, 2026: Addressing the National Youth Parliament Competition organized by the Ministry of Parliamentary Affairs, Government of India, at Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha, Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma said that young people have a significant role to play in strengthening the roots of democracy. She described youth as the backbone of the nation's development.

The 18th Group-Level National Youth Parliament Competition 2026 was held on Saturday, October 24, at Kasturba Auditorium under the chairpersonship of Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma. Prof. Prahlad Mane, Coordinator of Group VI of the National Youth Parliament Competition at Shivaji University, Kolhapur, attended as the Chief Guest. Prof. Ravishankar More, Director of Dr. Ambedkar School of Law, Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, was present as the Guest of Honour. A total of 55 students from various departments of the University participated in the competition and performed different parliamentary roles.

Addressing the participants, Prof. Sharma said that they had an important role to play in realizing the dream of a prosperous and self-reliant India. She urged the students to contribute towards building a developed India. Appreciating their performances, she said she was impressed by their frank views on various issues and their logical reasoning abilities. Praising the participation of women students, she noted that the participation of 21 women among the 55 contestants reflected the core spirit of Nari Shakti Vandan.

On the occasion, Prof. Prahlad Mane and Prof. Ravishankar More appreciated the outstanding performances of the students. They observed that by raising issues related to education, healthcare, sports, unemployment, inflation and farmers' problems, the participants had demonstrated their abilities, talent and oratory skills. A Bill on compulsory voting was also introduced in the Youth Parliament and discussed in detail.

Six students were selected for outstanding performances. Divya Maharanwar, who played the role of the Speaker of the Lok Sabha, secured first place. Priyanshu Kumar won second place, while Shia, a student of the Department of Mass Communication who played the role of the Prime Minister, secured

third place. Ankita Thul, Aman Maurya and Monika were jointly awarded fourth place. The students were felicitated with mementoes, gold medals and certificates.

During the 55-minute session, the 55 participants presented their views forcefully on various schemes implemented by the Government of India. The proceedings included discussions on several issues, Zero Hour, oath-taking and condolence motions, providing an insight into the functioning of Parliament. Students from different departments took on roles such as the Speaker of the Lok Sabha, the Prime Minister, the Secretary-General of the Lok Sabha, the Leader of the Opposition and other ministers.

The guests were welcomed with shawls, cotton garlands, mementoes and bouquets. The welcome address was delivered by Dr. Balaji Chirde, Associate Professor and Coordinator of the Youth Parliament. The programme was conducted by Dr. Meera Nichale, Assistant Professor in the Department of Translation Studies.

The programme began with the University anthem and concluded with the National Song and the National Anthem. Deans, heads of departments, faculty members, research scholars and students attended the event in large numbers.

हिंदी विद्यापीठात राष्ट्रीय युवा संसद स्पर्धेचे आयोजन
लोकशाहीची मुळे मजबूत करण्यात युवकांची महत्त्वपूर्ण भूमिका : प्रा. कुमुद शर्मा
विद्यार्थ्यांनी क्षमता, प्रतिभा आणि वक्तृत्वशैलीचे केले प्रभावी प्रदर्शन

वर्धा, २४ ऑक्टोबर २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ, वर्धा येथे भारत सरकारच्या संसदीय कार्य मंत्रालयाच्या वतीने आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद स्पर्धेच्या अध्यक्षस्थानावरून कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांनी लोकशाहीची मुळे मजबूत करण्यात युवकांची महत्त्वपूर्ण भूमिका असल्याचे प्रतिपादन केले. युवक हे राष्ट्राच्या विकासाचा कणा आहेत, असेही त्या म्हणाल्या.

शनिवार, २४ ऑक्टोबर रोजी विद्यापीठाच्या कस्तुरबा सभागृहात कुलगुरू प्रा. कुमुद शर्मा यांच्या अध्यक्षतेखाली १८ वी गटस्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद स्पर्धा २०२६ आयोजित करण्यात आली. या कार्यक्रमाला प्रमुख पाहुणे म्हणून राष्ट्रीय युवा संसद स्पर्धेच्या गट सहाचे समन्वयक आणि शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर येथील प्रा. प्रल्हाद माने उपस्थित होते. तसेच राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठाच्या डॉ. आंबेडकर स्कूल ऑफ लॉचे संचालक प्रा. रविशंकर मोरे यांची विशेष उपस्थिती होती.

या स्पर्धेत विद्यापीठाच्या विविध विभागांतील ५५ विद्यार्थ्यांनी सहभाग घेतला आणि संसदेतील विविध पदांची भूमिका साकारली.

विद्यार्थ्यांना संबोधित करताना कुलगुरू प्रा. शर्मा म्हणाल्या की, समृद्ध आणि आत्मनिर्भर भारताचे स्वप्न साकार करण्यात विद्यार्थ्यांची महत्त्वपूर्ण भूमिका आहे. विकसित भारताच्या निर्मितीसाठी त्यांनी योगदान द्यावे. युवा संसदेत विद्यार्थ्यांनी विविध विषयांवर निर्भीडपणे मांडलेली मते आणि त्यांची तार्किक विचारक्षमता यांचे त्यांनी कौतुक केले. स्पर्धेत सहभागी झालेल्या ५५ विद्यार्थ्यांपैकी २१ विद्यार्थिनींचा सहभाग हा 'नारी शक्ती वंदन'च्या मूलभावनेचे प्रतीक असल्याचेही त्यांनी नमूद केले.

यावेळी प्रा. प्रल्हाद माने आणि प्रा. रविशंकर मोरे यांनी विद्यार्थ्यांच्या उत्कृष्ट कामगिरीचे कौतुक केले. शिक्षण, आरोग्य, क्रीडा, बेरोजगारी, महागाई आणि शेतकऱ्यांच्या समस्यांसारखे महत्त्वाचे विषय मांडून विद्यार्थ्यांनी आपली क्षमता, प्रतिभा आणि वक्तृत्वशैली सिद्ध केल्याचे त्यांनी सांगितले. युवा संसदेत अनिवार्य मतदान विधेयक सभागृहात मांडण्यात आले आणि त्यावर सविस्तर चर्चा करण्यात आली.

उत्कृष्ट कामगिरी करणाऱ्या सहा विद्यार्थ्यांची निवड करण्यात आली. लोकसभा अध्यक्षाची भूमिका साकारणाऱ्या दिव्या महारनवार हिने प्रथम क्रमांक मिळविला. प्रियांशु कुमार याने द्वितीय क्रमांक पटकाविला, तर जनसंचार विभागाची विद्यार्थिनी शिया हिने पंतप्रधानांची भूमिका साकारत तृतीय क्रमांक मिळविला. अंकिता थुल, अमन मौर्य आणि मोनिका यांना संयुक्तपणे चतुर्थ क्रमांकाने गौरविण्यात आले. या विद्यार्थ्यांना स्मृतिचिन्ह, सुवर्णपदक आणि प्रमाणपत्र देऊन सन्मानित करण्यात आले.

राष्ट्रीय युवा संसदेत ५५ विद्यार्थ्यांनी ५५ मिनिटे भारत सरकारच्या विविध योजनांवर ठामपणे आपली मते मांडली. विविध विषयांवरील चर्चा, शून्य प्रहर, शपथविधी आणि शोकप्रस्ताव अशा संसदीय कामकाजाच्या माध्यमातून संसदेच्या कार्यपद्धतीचे सादरीकरण करण्यात आले. विविध विभागांतील विद्यार्थ्यांनी लोकसभा अध्यक्ष, पंतप्रधान, लोकसभेचे महासचिव, विरोधी पक्षनेते तसेच इतर मंत्र्यांच्या भूमिका साकारल्या.

कार्यक्रमात पाहुण्यांचे शाल, सूतमाला, स्मृतिचिन्ह आणि पुष्पगुच्छ देऊन स्वागत करण्यात आले. युवा संसदेचे संयोजक तथा सहयोगी प्राध्यापक डॉ. बालाजी चिरडे यांनी स्वागतपर भाषण केले. अनुवाद अध्ययन विभागाच्या सहायक प्राध्यापिका डॉ. मीरा निचळे यांनी कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन केले.

कार्यक्रमाची सुरुवात विद्यापीठ गीताने झाली, तर समारोप राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् ने व राष्ट्रगीताने करण्यात आला. यावेळी अधिष्ठाता, विभागप्रमुख, प्राध्यापक, संशोधक विद्यार्थी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.